



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

OND

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 143]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 30, 1993/श्रावण 8, 1915

No. 143]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 30, 1993/SRAVANA 8, 1915

वाणिज्य मंत्रालय

कार्यप्रणाली

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1993

विषय:—अर्जेंटीना, ब्राजील, मैक्सिको, कोरिया गणराज्य और संयुक्त राज्य अमरीका मूल के पोली विनाइल क्लोराइड रेजिन के आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जांच अन्तिम निष्कर्ष।

सं. 14/9/92-टी पी डी—वर्ष 1982 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ, 1975 और उससे संबंधित नियमावली 1985 को ध्यान में रखते हुए।

अन्तिम उपाय नियमावली के तहत यथा परिभाषित नामोद्दिष्ट प्राधिकारी ने (जिसे इसमें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) अर्जेंटीना, ब्राजील, मैक्सिको, कोरिया गणराज्य और संयुक्त राज्य अमरीका मूल का पोली विनाइल क्लोराइड रेजिन के आयातों से संबंधित पाटन रोधी जांच में प्रारंभिक निष्कर्ष अधिसूचित कर दिए, देखिए: अधिसूचना सं. 14/9/92 टी पी डी दिनांक 18 जनवरी, 1993।

केन्द्रीय सरकार ने राजपत्र अधिसूचना सं. 3/93 सीमाशुल्क दिनांक 2-2-1993 द्वारा भारत में पी बी सी रेजिन के आयातों पर पाटनरोधी अन्तिम शुल्क लगा दिया।

2. दिनांक 18-1-1993 की अधिसूचना के पैराग्राफ 1, 2 तथा 3 में उल्लिखित कार्यविधि की पुष्टि हो गई है। प्राधिकारी ने जिन कंपनियों की जांच हो रही थी उन सभी की जांच के विषय में 19-1-1993 को एक पत्र भेजा था जिसमें उनसे प्रारंभिक निष्कर्ष के संबंध में उनके विचार प्रस्तुत करने और यह आवेदन करने के लिए कहा गया था कि उनके मामले पर मौखिक सुनवाई की जाए तथा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों की मौके पर जांच करने के लिए वे इच्छुक हों। संबंधित निर्यातकर्ता देशों के नई दिल्ली स्थित दूतावासों को 19-1-1993 को एक मौखिक नोट भी भेजा गया था जिसमें यह अनुरोध किया गया था कि निर्यातक तथा अन्य हितवद्ध पार्टियों को सलाह दी जा सकती है कि वे प्राधिकारी को प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार तथा सत्यापन के लिए अपनी इच्छा प्रस्तुत करें। उपर्युक्त नोट के संबंध में 28-2-93 तक उत्तर मांगा गया था। उक्त नोट पर उत्तर 28-2-1993 तक मांगा गया था। दिनांक 27 मई 1993 को जांच के अध्यक्षीन रहने वाली कंपनियों ने अन्तिम उपायों की समयावधि बढ़ाने की आवश्यकता के संबंध में कंपनियों के विचार मांगते समय प्राधिकारी ने सभी निर्यातकर्ता देशों को 24 जून, 1993 तक का अतिरिक्त समय दिया ताकि वे मूलतः उन्हें भेजी गई प्रश्नावली के संबंध में अपना उत्तर भेज

और उनसे घरेलू मांग उत्पादन क्षमता एवं पी वी सी रेजिन क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय बाजार स्थिति को ध्यान में रखते हुए उनकी घरेलू एवं निर्यात कीमतों की प्रवृत्ति तथा देशी माल के बारे में उनके विचार/टिप्पणियाँ भी आमंत्रित की गई हैं। कुछ निर्यातकों, प्रयोजन एवं उत्पादक उद्योगों के प्रतिनिधियों ने अनुरोध के अनुसार अपने विचार सूचित कर दिए हैं जिन पर समुचित शीर्षों के अन्तर्गत इन निष्कर्षों में विचार विमर्श किया जा रहा है।

दिनांक 18 जनवरी 1993 की अधिसूचना के पैरा 6 तथा 7 में दर्शाई गई वास्तविक स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

विचाराधीन उत्पाद जैसे ही उत्पाद और भारतीय उद्योग

(3) प्राधिकारी दिनांक 18 जनवरी 1993 की अधिसूचना के पैराग्राफ 8 से 11 में निविष्ट वास्तविक स्थिति की पुष्टि करते हैं।

सामान्य मूल्य

(4) अन्तिम निष्कर्ष के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य उन्हीं पद्धतियों के आधार पर निर्धारित किया गया था जिसका उपयोग अन्तिम निर्धारण में किया जाता है अर्थात् यह मूल्य निर्यातकर्ता देश में जो कोषों होती हैं उन पर आधारित होता है।

(5) प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैराग्राफ 12 के संबंध में सामान्य मूल्यनिर्धारकों के उत्तरों एवं निवेदनों को ध्यान में रखते हुए तथा उन मामलों में जहाँ पर उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है, अथवा प्राप्त उत्तर अपर्याप्त हैं वहाँ पर उपलब्ध सर्वोत्तम जानकारी के आधार पर पुनः निकाला गया है।

निर्यात कीमत

(6) मैसर्स इन्डोस्ट्रियल, अर्जेंटीना ने जांच अवधि के दौरान भारत को कोई पी वी सी रेजिन निर्यात न करने की सूचना दी है।

(7) कुंटीन्नास्ट आफ अमेरिका इस्क संयुक्त राज्य अमरीका ने घरेलू तथा निर्यात क्रियाओं के लिए यथापेक्षित व्योरे उपलब्ध नहीं कराए थे। मौके पर जांच के संबंध में भी कोई उत्तर नहीं मिला।

(8) मैसर्स कम्पेनिया पेद्रोविबिका ब्राजील ने जांच अवधि को छोड़कर अन्य अवधि के संबंध में पी वी सी की एफ ओ बी ब्राजील कीमत दी है। निर्यातकों द्वारा दर्शाई गई गिरावट की प्रवृत्ति के बावजूद, ये आंकड़े इतने पर्याप्त नहीं हैं कि इन पर अन्तिम निष्कर्षों के लिए विचार किया जाए। तथापि निर्यातकों का यह कहना रहा है कि निर्यात कीमतें पूरी तरह उन्हीं सामान्य मूल्यों को दर्शाती हैं जो कि इन उत्पादकों की भौगोलिक स्थिति तथा इसके फलस्वरूप होने वाले भाड़ा अन्तरों के आधार पर अन्तर्राष्ट्रीय पी वी सी व्यापार में चल रही थी।

(9) मैसर्स विस्टा केमिकल कम्पनी संयुक्त राज्य अमरीका ने विचार व्यक्त किया कि भारत के संबंध में

निर्यात कीमतें वह सामान्य मूल्य दर्शाती हैं जो कि भौगोलिक स्थिति के आधार पर अन्तर्राष्ट्रीय पी वी सी बाजार में रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने स्वामित्व वाले अथवा गोपनीय आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं और उन्हें आवश्यक सूचना की मौके पर जांच करने पर विचार नहीं है।

(10) मैसर्स फार्मोसा प्लास्टिक कारपोरेशन, संयुक्त राज्य अमरीका ने 1990 से अप्रैल 1992 की अवधि के संबंध में निर्यात बाजार में बेची गई मात्रा और मूल्य के संबंध में कुछ जानकारी दी है। प्राधिकारी ने इन आंकड़ों को अपर्याप्त और अक्रमबद्ध समझा।

(11) मैसर्स वीडेंट मैमिकल्स एंड प्लास्टिक, संयुक्त राज्य अमरीका ने यह बताया कि उन्होंने जांच की अवधि के दौरान कोई पी वी सी रेजिन निर्यात नहीं की।

(12) मैसर्स ग्रुपो प्राइमेक्स, मैक्सिको ने विचाराधीन उत्पाद की घरेलू और निर्यात कीमत के संबंध में कुछ आंकड़े प्रस्तुत किए।

(13) विभिन्न निर्यातकों से प्राप्त टिप्पणियों पर विचार किया गया और प्राधिकारी दिनांक 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना के पैरा 13 में निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पद्धति की पुष्टि करते हैं। निर्यातकों से प्राप्त जानकारी पर विचार करते हुए तथा अन्तिम निष्कर्षों के दौरान सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर जांच के अधीन विभिन्न देशों की निर्यात कीमतें निकाली गई हैं। प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैराग्राफ 14 की उपर्युक्त सीमा तक संशोधित किया जाता है।

तुलना

(14) प्राधिकारी 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना के पैराग्राफ 15 में शामिल की गई तुलना की पद्धति की पुष्टि करते हैं।

(15) प्राधिकारी द्वारा अपनी जांच के दौरान किए गए निष्कर्ष तथा प्राप्त साक्ष्य से प्राधिकारी ने यह उचित समझा कि सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत का उपर्युक्त तरीके से समायोजन किया जाए।

डॉपिंग मार्जिन

(16) संयुक्त राज्य अमरीका के एक निर्यातक ने यह कहा है कि औसत विश्व बाजार में पी वी सी की मुपुर्दगी कीमतें उस मुपुर्दगी कीमतों से कहीं अधिक हैं जो पी वी सी के अमरीकी उपभोक्ता अदा करते हैं, और इसीलिए अमरीकी उत्पादकों पर डॉपिंग का आरोप वास्तविक आरोप नहीं है। प्राधिकारी ने यह देखा कि समर्थक साक्ष्य प्रस्तुत किए बिना ऐसे सामान्य वस्तुत्व में भारत को निर्यात के संबंध में डॉपिंग मार्जिन का निर्धारण करने में सुविधा नहीं होती।

(17) ब्राजील संघीय गणराज्य की सरकार ने भारत स्थित अपने दूतावास के जरिए यह बताया है कि ब्राजील के मामले में डॉपिंग मार्जिन अर्जेंटीना से कम है और फिर भी ब्राजील पर जिस अन्तिम शुल्क को लगाए जाने की सिफारिश

की गई है वह अर्जेंटीना पर लगाए गए शुल्क से अधिक है। उन्होंने अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क को संशोधित करने तथा उसे कम करके उतना करने का अनुरोध किया है जितना अर्जेंटीनाई उत्पाद पर लगाया जाना है। प्राधिकारी ने उपर्युक्त को देखा है और यह कहते हैं कि पाटनरोधी उपाय तैयार करते हुए और उन पर सिफारिश करने समय उन्होंने डंपिंग मार्जिन पर और उसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति पर एक साथ ही विचार किया तथा पाटनरोधी शुल्क को स्वदेशी उद्योग पर होने वाले घातक प्रभाव को दूर करने के लिए अतिशय स्तर तक सीमित किया।

(18) पूर्वोक्त के आधार पर निम्नलिखित डंपिंग मार्जिन है जो सी आई एफ मूल्य की प्रतिशतता के रूप में व्यक्त किए गए हैं :

	निर्यात कीमत	सामान्य मूल्य	सी आई एफ की प्रति- (अमरीकी डॉलर)	(अमरीकी डॉलर) शतता के रूप में डंपिंग मार्जिन-
अर्जेंटीना	442	830	70.67%	
ब्राजील	442	767	56.82%	
कोरिया गणराज्य	516	652	23.21%	
मैक्सिको	490	688	32.46%	
संयुक्त राज्य अमरीका	497	513	2.68%	

(19) प्राधिकारी ने अंतिम पाटनरोधी उपायों पर पहुंचते समय उपर्युक्त निष्कर्ष को ध्यान में रखा और 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना के पैराग्राफ 16 तथा 17 को तदनुसार संशोधित किया।

क्षति

(20) प्राधिकारी प्रारम्भिक निष्कर्ष में अपनाई गई प्रणाली विधि की पुष्टि करते हैं जैसा कि दिनांक 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना के पैराग्राफ 18, 19 और 20 में उल्लेख किया गया है, किन्तु इस पुष्टि का अर्थ यह है कि जांच की अवधि के दौरान अर्जेंटीना में होने वाले आयातों की मात्रा जो घरेलू खपत के एक प्रतिशत से भी कम नहीं है इसलिए उसे इतना नगण्य समझा जाना है कि उसका समवर्गी उत्पादों की घरेलू बाजार में कीमतों पर और घरेलू उत्पादकों पर उल्लेखनीय प्रभाव नहीं पड़ेगा।

भारत में खपत

(21) प्रारम्भिक निष्कर्ष 1991-92 (1 अप्रैल से 31 मार्च तक) पी वी सी की उपलब्धता का अनुमान 3,39,000 एम. टी. लगाया गया है। अन्तिम निष्कर्ष में यह बात सामने आई कि जांच अवधि के दौरान पी वी सी रेजिन की उपलब्धता लगभग 3,78,000 एम. टी. रही और इस प्रकार वार्षिक आधार पर लगभग 16% की वृद्धि रही।

डम्प किए गए आयातों की मात्रा तथा बाजार शेयर

(22) जांच की अवधि के दौरान जांच के तहत शामिल किए गए देशों में आयातों का बाजार शेयर 42% है। जांच के तहत देशों में आयात जैसा कि वर्ष 1991-92 के प्रारम्भिक निष्कर्ष के पैराग्राफ 22 में बताया गया है। 1,40,909 एम. टी. था और यह अंतिम निष्कर्ष में जांच अवधि के दौरान 1,57,183 एम. टी. हो गया। पहले भारत महीनों के दौरान ब्राजील में हुए आयात औसतन 6185 एम. टी. रहे जबकि प्रारम्भिक निष्कर्ष में ये आंकड़े 6518 एम. टी. थे। दिनांक 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना के पैराग्राफ 22 में उल्लिखित तथ्यों में कोई परिवर्तन नहीं है।

डम्प किए गए आयातों की कीमतें

(23) प्राधिकारी ने ब्राजील, मैक्सिको, कोरिया गणराज्य और संयुक्त राज्य अमरीका के निर्यातकों द्वारा कीमत में उल्लेखनीय कटौती की पुष्टि की है जैसा कि दिनांक 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना के पैराग्राफ 24 तथा 25 में बताया गया है।

उद्योग पर अन्य संमत आर्थिक कारकों का प्रभाव संस्थापित क्षमता एवं क्षमता उपयोग

(24) प्रारम्भिक रिपोर्ट के पैराग्राफ 26, 27 तथा 28 में दिए गए कारकों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने जांच अवधि के संबंध में निम्नलिखित को नोट किया:—

(1) जांच अवधि के दौरान जांच के तहत उत्पाद की कुल संस्थापित क्षमता 2,30,979 एम. टी. थी।

(2) जांच अवधि के दौरान भारतीय उद्योग के पी. वी. सी. रेजिन (मस्पेंशन ग्रेड) का उत्पादन 1,90,438 एम. टी. था।

(3) भारतीय उद्योग का क्षमता उपयोग लगभग 82.5% था।

माल सूची

(25) दिनांक 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना के पैराग्राफ 29 में दिनांक 31-3-1992 की स्थिति के अनुसार बताया गए अंतिम स्टॉक की पुष्टि की जाती है और 31-5-1992 की स्थिति के अनुसार संबंधित आंकड़ा 11,852 एम. टी. था।

बिक्री की मात्रा तथा भारतीय उद्योग का बाजार शेयर

(26) कुल उपलब्धता तथा 1991-92 तक भारतीय उद्योग में उपलब्धता की मात्रा दिनांक 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना के पैराग्राफ 30 में दर्शाई गई है। जांच अवधि में स्वदेशी उत्पादन 1,90,438 एम. टी. था और यह कुल उपलब्धता का 50% बैठता है।

लाभप्रदता

(27) दिनांक 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना में निर्दिष्ट सभी आवेदक कंपनियों की वर्ष 1991-92 की वार्षिक रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। तथापि, बहु-उत्पाद किताकलाप होने

की वजह से जांच के तहत उत्पाद की लाभप्रदता के संबंध में कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।

कीमत प्रवृत्ति

(28) घरेलू उद्योग की कीमत प्रवृत्ति दिनांक 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना के पैराग्राफ 32 में दर्शाई गई है। अप्रैल तथा मई, 1992 माह में कीमतों में और गिरावट आई जिसके फलस्वरूप कैमप्लास्ट, डी. सी. डबल्यू. एस. एफ. सी. तथा आर. पी. एल. की फैक्टरी से निकलते समय अधिप्राप्ति में दिसंबर, 1991 तथा मार्च, 1992 के बीच क्रमशः 11.2, 11.6, 13.1 तथा 11.4 प्रतिशत की गिरावट आई।

बेशीमाल के निपटान की क्षमता

(29) सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह देखा गया है कि घरेलू मांग की तुलना में ब्राजील, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमरीका में बेशीमाल की क्षमता थी।

वास्तविक क्षति के प्रश्न पर निष्कर्ष

(30) अंतिम निष्कर्ष में दिनांक 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना के जिस पैराग्राफ 33 में प्रारम्भिक निष्कर्ष अधिसूचित किए गए हैं उसे निम्नलिखित सीमा तक संशोधित किया जाता है:—

1. अर्जेंटीना, ब्राजील मैक्सिको, कोरिया गणराज्य तथा संयुक्त राज्य अमरीका से किए जाने वाले आयातों का बाजार शेयर 1988-89 में 25% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 42% हो गया।

2. वर्ष 1991-92 की अंतिम तिमाही के दौरान इन स्रोतों से होने वाले आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, चूंकि देश में आयात संकुचन संबंधी उपाय समाप्त कर दिए गए हैं।

3. कीमत में भारी कटौती की गई।

4. देश में क्षमता उपयोग, जिसमें निरन्तर वृद्धि की प्रवृत्ति दिख रही थी, उपमें जांच अवधि के अंतिम चरणों में गिरावट की प्रवृत्ति दिखाई थी।

5. जांच अवधि के दौरान 31-3-1993 को 2967 एम. टी. की तुलना में 31-3-1992 की स्थिति के अनुसार माल सूची बढ़कर 16,696 एम. टी. हो गई। इसको एक सहयोगी कारण अतिरिक्त घरेलू क्षमता रहा है। दिनांक 11-5-1992 को माल सूची 11,852 एम. टी. थी।

6. विशेषरूप से दिसंबर, 1991 से घरेलू कीमतों पर उल्लेखनीय मंदी/दबाव बना रहा, जैसा कि ऊपर पैरा 28 में दिया गया है।

7. निर्यात कर्ता देशों में घरेलू मांग के अतिरिक्त मुक्त रूप से निपटाने योग्य क्षमता पर्याप्त मात्रा में विद्यमान है।

(31) प्राधिकारी को यह मानना है कि क्षमता में ऊपर निर्दिष्ट समग्र, अधिशेष और साथ ही साथ विश्व बाजार में चल रही मंदी की स्थिति निर्यात कर्ता देशों को डंपिंग कीमतों पर पी. वी. सी. बेचने के लिए प्रेरित करती रहेगी। जब तक एन्टी डंपिंग उपाय नहीं किए जाते तब तक घरेलू उद्योग के अस्तित्व को खतरा बना रहेगा, जिसके परिणाम-स्वरूप पूंजी, रोजगार और उचित प्रतियोगिता को नुकसान पहुंचेगा।

(32) जांच की अवधि के दौरान विशेषरूप से जनवरी-मार्च, 1992 में ब्राजील, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमरीका से डंपिंग कीमतों पर पी. वी. सी. के आयात में वृद्धि हुई। ब्राजील, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको तथा संयुक्त राज्य अमरीका में विद्यमान क्षमता उनकी घरेलू मांग से कहीं अधिक है। पी. वी. सी. के विश्व-व्यापी खपत पैटर्न में ऐसा कोई संकेत नहीं मिलता जिससे यह मान लिया जाए कि इन देशों में उपलब्ध बेशी क्षमता को अपेक्षाकृत नए बाजारों में खपा लिया जाएगा। एंटी डंपिंग उपाय न होने की वजह से भारत को डम्प किए गए निर्यातों में भारी वृद्धि होने की पूरी संभावना है। अतः प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि ब्राजील, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको तथा संयुक्त राज्य अमरीका से विशेष रूप से उस स्थिति में पी. वी. सी. रेजिन के डंप आयातों में वास्तविक क्षति की आशंका है जब कि उसके फलस्वरूप भारतीय बाजार में कीमतों में संकुचन आ रहा है और कीमतों में होने वाली ऐसी वृद्धि रुक रही है जिससे बिक्री की लागत और समुचित लाभ को कवर किया जा सके।

भारतीय उद्योग का हित

ग्राम बिन्दु

(33) प्राधिकारी उस ग्राम बिन्दु की पुष्टि करते हैं जिस पर दिनांक 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना के पैराग्राफ 36, 37 तथा 38 में दर्शित एंटी-डंपिंग उपाय करने के लिए विचार किया जाना है।

भारतीय उद्योग का हित

(34) प्राधिकारी प्रारम्भिक रियपोर्ट के पैराग्राफ 39 में दिए गए निष्कर्ष की पुष्टि करते हैं। जहां तक जांच के बाद की अवधि की गतिविधियों पर विचार करने के बारे में घरेलू उद्योग की राय का सबल है, यह कहा जा सकता है कि प्राधिकारी को जांच अवधि के दौरान के तथ्यों की जांच करनी है क्योंकि जांच अवधि के बाद की गतिविधियां, कुछ मामलों में कार्रवाई आरम्भ होने से तथा/अथवा एंटी डंपिंग उपाय करने से प्रभावित हो सकती हैं।

अन्य पक्षकारों का हित

(35) भारत में पी. वी. सी. उत्पाद के अनेक उत्पादकों ने जिनमें आल इंडिया फंडेशन आफ प्लास्टिक्स इंडस्ट्रीज, आल इंडिया प्लास्टिक्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, एसोसिएशन

आफ प्लास्टिक्स प्रोमिसर्स आफ इंडिया और गुजरात स्टेट प्लास्टिक मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन भी शामिल है, निम्नलिखित निवेदन किए हैं:—

(क) एंटी डम्पिंग शुल्क लगाए जाने के बाद पी वी सी रेजिन की अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि हुई है। आयात शुल्क की वजह से चानू आयात कीमतें स्वदेशी कीमतों में अधिक हैं।

(ख) घरेलू उत्पादकों ने पी वी सी रेजिन की अपनी बिक्री कीमतें बढ़ा दी हैं जो कि पी वी सी उत्पाद के उत्पादकों और उपभोक्ताओं के हितों के लिए हानिकारक है।

(ग) घरेलू मांग को पूरा करने के लिए घरेलू अमना अर्पण है।

(36) प्राधिकारी ने पी वी सी उत्पाद के उत्पादकों के निवेदनों पर विचार किया है। एंटी डम्पिंग कार्रवाई के दौरान, डम्पिंग का माजिन जांच अवधि के दौरान नियति कीमतों तथा निर्यातकों की घरेलू कीमतों की तुलना करके निकाला जाता है। कार्रवाई की अवधि के दौरान जो कीमत पैटर्न चल रहा है उसे सामान्य कीमत पैटर्न का दिग्दर्शक नहीं माना जा सकता क्योंकि वह आरम्भ की गई जांच के फलस्वरूप प्रभावित हुआ हो सकता है। तथापि, प्राधिकारी उस स्थिति में पुनरीक्षण कार्रवाई आरम्भ करने के लिए तैयार है जब कम कीमतों और परिस्थितियों में परिवर्तन के सम्बन्ध में ऐसा सन्तोषजनक साक्ष्य प्रस्तुत किया जाए जिससे अनिकारक डम्पिंग को दूर किया जा सके।

(37) प्राधिकारी का यह विचार है कि डम्प किए गए आयातों पर आधारित कीमत लाभ अनुचित हैं और भारत में इस उत्पाद के उत्पादकों तथा भारत के उपभोक्ताओं के दोषावधि हित में नहीं है। संरक्षणामक उपाय से यह अभिप्राय नहीं है कि प्रतियोगिता से बचा जाए बल्कि इसका उद्देश्य पी वी सी उत्पादकों तथा पी वी सी उत्पाद के उत्पादकों के दोषावधि हित में स्वस्थ प्रतियोगिता को बनाए रखना है। एंटी डम्पिंग शुल्क के परिणामस्वरूप होने वाली कीमत वृद्धि सीमित रहेगी क्योंकि पी वी सी रेजिन तो केवल कच्ची सामग्री है जो उपभोक्ताओं के पास पहुंचने से पहले संसाधित की जाती है।

परिणति बिन्दु

(38) प्राधिकारी दिनांक 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना के पैराग्राफ 43 के निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं। उक्त अधिसूचना के एंटी डम्पिंग शुल्क से सम्बन्धित पैराग्राफ 44 की भी पुष्टि की जाती है। अन्तिम निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ पैराग्राफ 45 तथा 46 में दिए गए बिन्दुओं की भी पुष्टि की जाती है। तथापि, प्राधिकारी ने यह देखा है कि दिनांक 18 जनवरी, 1993 की अधिसूचना के पैराग्राफ

45 तथा 46 तथा प्राधिकारी के दिनांक 27 मई, 1993 के पत्र के सम्बन्ध में हितवद्ध पक्षकारों से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है।

निष्कर्ष

(39) प्राधिकारी उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ 47 के अपने निष्कर्ष की पुष्टि करते हैं। तथापि, यह देखा गया है कि जहां तक अर्जेंटीना का सम्बन्ध है अर्जेंटीना द्वारा किए गए आयात नगण्य हैं अतः एंटी डम्पिंग शुल्क लगाने के लिए उचित नहीं है। प्राधिकारी इस नतीजे पर पहुंचे कि अगर अन्तिम उपाय न किए जाते तो डम्प आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचती।

सिफारिशें

(40) भारतीय एंटी-डम्पिंग विनियमों के प्रावधानों के तहत डम्पिंग के माजिन के लिए एंटी-डम्पिंग शुल्क लगाए जाने की अनुमति है। तथापि, सद्यः भारतीय हित को ध्यान में रखते हुए नामजद प्राधिकारी नीचे प्रत्येक देश के सामने दो गई दरों पर अन्तिम एंटी डम्पिंग शुल्क लगाए जाने की तारोख अर्थात् 2-2-1993 से अन्तिम एंटी डम्पिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करने हैं :

	रु./एम टो
ब्राजील	2,036
कोरिया गणराज्य	1,253
मैक्सिको	1,619
संयुक्त राज्य अमरीका	504

(41) ऊपर अनुशंसित शुल्क प्रतिकरात्मक शुल्क का हिमात्र लगाने में नहीं जोड़ा जाएगा।

(42) यह एंटी डम्पिंग शुल्क इन देशों के नए अथवा ऐसे किन्हीं अन्य निर्यातकों पर भी लागू होगा जो वर्तमान कार्रवाई के लिए पक्षकार नहीं हैं।

(43) चूंकि जांच के पूरे होने के बाद अनुशंसित एंटी डम्पिंग शुल्क अन्तिम एंटी-डम्पिंग शुल्क की अपेक्षा कम है, इसलिए शुल्क का जो अन्तर है उसे सामाशुल्क टैरिफ (डम्प वस्तुओं पर शुल्क अथवा अनिरिक्त शुल्क का अभिज्ञान, मूल्यांकन तथा समाहरण और क्षति के लिए निर्वारण (नियम, 1985 के नियम 22(2) के प्रावधानों के अनुसार होगा।

(44) ऊपर उल्लिखित 1985 के नियमों के नियम 23 के तहत प्राधिकारी एंटी-डम्पिंग शुल्क लगातार लगाए जाने की आवश्यकता की समय समय पर समीक्षा करेगा।

वाई.बेणुगोपाल रेड्डी,
नामित प्राधिकारी तथा आर.मन्त्रि

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th July, 1993

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of Poly Vinyl Chloride Resin originating from Argentina, Brazil, Mexico, Republic of Korea and the United States of America—Final Findings.

No. 14/9/92-TPD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1982 and the Rules, 1985, thereof.

PROVISIONAL MEASURES

1. The designated authority as defined under the Rules (hereinafter referred to as authority) notified preliminary findings in the anti-dumping investigation concerning imports of Poly Vinyl Chloride Resin originated from Argentina, Brazil, Mexico, Republic of Korea and United States of America vide Notification No. 14/9/92-TPD dated the 18th January, 1993.

The Central Government, by Gazette Notification No. 3/93 Custom dated 2-2-93 imposed a provisional anti-dumping duty on imports into India of P. V. C. Resin.

PROCEDURE

2. Procedure mentioned in paragraphs 1, 2 and 3 of Notification dated 18th January, 1993 are confirmed. The authority addressed on 19-1-1993 a letter to all the companies subject to investigation requesting them to furnish their views on the preliminary findings and to apply to be heard orally and willingness for on site verification of data furnished. A note verbale was also sent on 19-1-93 to Embassies of the concerned exporting countries in New Delhi requesting that the exporters and the other interested parties may be advised to furnish views on the preliminary findings to the authority and willingness for verification. The response to the above was sought by 28-2-93. While seeking the views of the companies; subject to investigation on 27th May, 1993, on the need to extend the duration of provisional measures, the authority granted additional time upto 24th June, 1993, to all exporting countries to submit response to the questionnaire originally addressed and also invited their views/comments on the trend of their domestic and export prices and exportable surpluses taking into account the domestic demand; production capacity and international market situation in PVC resin sector. Some of the exporters, representatives of user and producer industries have made known their views as requested which are being discussed in these findings under appropriate headings.

There is no change in the factual position indicated in paragraphs 6 and 7 of Notification dated 18th January 1993.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION, LIKE PRODUCT AND INDIAN INDUSTRY

(3) The authority confirms the factual position indicated in paragraphs 8 to 11 of the Notification dated 18th January 1993.

NORMAL VALUE

(4) For the purpose of final findings, normal value was established on the basis of the same methods as those used in the provisional determination i.e. based on prices in the exporting country.

(5) In respect of paragraph 12 of the preliminary findings, normal value has been re-worked taking into account the response and submissions of the exporters and on the basis of best available information in cases where either response was not received or where response was inadequate.

EXPORT PRICE

(6) M/s ELECTROCLOR, Argentina, informed of not exporting any PVC resin to India during the investigation period.

(7) Kuntoplast of America Inc., USA, did not provide details as required for domestic and export sales. There was also no response to on-site verification.

(8) M/s COMPANHIA PETROQUIMICA, Brazil, has given the f.o.b. Brazil price of PVC for the period other than the investigation period. Notwithstanding declining trend indicated by the exporters, the data is not sufficient enough to be considered for final findings. The exporter, however, contended that the export prices strictly represent the normal values as practised in the international PVC market based on geographical location of these producers and the consequent freight differences.

(9) M/s VISTA CHEMICAL COMPANY, USA, hold the views that the export prices to India represent the normal value as practised in the international PVC market based on geographical location. They added that they were not submitting proprietary or confidential data, and did not believe on site verification of information necessary.

(10) M/s FORMOSA PLASTICS CORPORATION, USA, provided some information on quantity and value sold in the export market for the period 1990 to April 1992. The data was considered by the Authority to be insufficient and inconsistent.

(11) M/s BORDEN CHEMICALS AND PLASTICS, USA, intimated that they have not exported any PVC Resin during the period of investigation.

(12) M/s GRUPO PRIMEX, MEXICO, submitted some data relating to domestic and export price of the product under consideration.

(13) Comments received from various exporters have been examined and the authority confirms the method used to establish the export price set out in paragraph 13 of Notification dated 18th January, 1993. The export prices of different countries under investigation have been worked out taking into consideration the information received from exporters and based on the best available information during final findings. The paragraph 14 of the preliminary findings is modified to the extent mentioned above.

Comparison

(14) The Authority confirms the method of comparison as incorporated in paragraph 15 of Notification dated 18th January 1993.

(15) The findings made by the authority during its investigation and evidence obtained lead the authority to consider it appropriate to make an adjustment to normal value and export price as indicated above.

Dumping Margin

(16) An exporter from USA has contended that the delivered prices of PVC in the average world market far exceeds the delivered price paid by US consumers of PVC and, therefore, dumping by US producers is not a realistic charge. The Authority notes that such general statement without supporting by evidence does not facilitate the determination of dumping margin in respect of export to India.

(17) The Government of Federative Republic of Brazil, through Embassy in India, stated that the dumping margin in case of Brazil is lower than Argentina and yet the provisional duty recommended to be imposed on Brazil is higher than that imposed on Argentina. They have requested to revise the provisional anti-dumping duty and reduce to the level which is imposed for Argentinian product. The Authority noted the above and states that while working out and recommending the anti-dumping measures, it considered the dumping margin and consequent injury on domestic industry simultaneously and restricted the anti-dumping duty to the level desired for eliminating the injurious effect on the indigenous industry.

(18) On the basis of the foregoing, the following is dumping margins expressed as a percentage of c.i.f. value :

	Export Price US \$	Normal Value US \$	Dumping Margin as %age of cif
Argentina	442	830	70.67%
Brazil	442	767	36.82%
Republic of Korea	516	652	23.21%
Mexico	490	688	32.46%
U.S.A.	497	513	2.68%

(19) The authority while arriving at final anti-dumping measures, took into account the above findings and paragraphs 16 and 17 of notification dated 18th January, 1993, are modified accordingly.

Injury

(20) The authority confirms the methodology adopted in preliminary findings as mentioned in paragraphs 18, 19 and 20 of Notification dated 18-1-93 except that quantity of imports from Argentina during the period of investigation being less than one per cent of domestic consumption is considered insignificant to have had any significant effect on prices in the domestic market for the like product and on the domestic producers.

Consumption in India

(21) The preliminary findings estimated the availability of PVC during 1991-92 (1st April to 31st March) at 3,39,000 M.T. In the final findings, it emerged that the availability of PVC Resin during investigation period was around 3,78,000 M.T., an increase of about 16 per cent on annualised basis.

Volume and Market Share of Dumped Imports

(22) The market share of imports from the countries covered under investigation during the period of investigation is 42 per cent. Imports from countries under investigation as reported in paragraph 22 of preliminary findings for the year 1991-92 was 1,40,909 M.T. and the same during investigation period in final findings comes to 1,57,183 M.T. imports from Brazil on an average is 6185 M.T. during first eleven months against the figure of 6518 M.T. in the preliminary findings. There is no change in the facts mentioned in paragraph 22 of the Notification dated 18th January 1993.

Prices of the Dumped Imports

(23) The authority confirms the significant price cutting on the part of the exporters from Brazil, Mexico, Republic of Korea and U.S.A. as concluded in paragraphs 24 and 25 of Notification dated 18th January 1993.

OTHER RELEVANT ECONOMIC FACTORS EFFECT ON INDUSTRY

Installed Capacity and Capacity Utilisation

(24) Regarding the facts indicated in paragraphs 26, 27 and 28 of the preliminary report, the authority noted the following relating to investigation period :—

(1) The total installed capacity of the product under investigation during investigation period was 2,30,979 M.T.

(2) The production of PVC Resin (suspension grade) of Indian industry was 1,90,438 M.T. during investigation period.

(3) The capacity utilisation of the Indian industry was around 82.5 per cent.

Inventory.

(25) The closing stock position as on 31st March, 1992 indicated in paragraph 29 of the Notification dated 18th January, 1993 is confirmed and corresponding figure as on 31st May, 1992 was 11,852 M.T.

Volume of Sales and Market Share of the Indian Industry

(26) The quantity of total availability and availability from Indian industry upto 1991-92 is indicated in paragraph 30 of the Notification dated 18th January, 1993. For the investigation period, the indigenous production was 1,90,438 M.T. and constitute 50 per cent of total availability.

Profitability

(27) Annual Reports of all the petitioner companies referred to in notification dated 18th January, 1993 for the year 1991-92 has been received. However, because of multi-product activities, no conclusion can be drawn regarding profitability of the product under investigation.

Price Trend

(28) The price trend of domestic industry has been indicated in paragraph 32 of the notification dated 18th January, 1993. Further decline in prices in the month of April and May, 1992 resulted in decline of 11.2, 11.6, 13.1 and 11.4 per cent in ex-works realisation of Chemplast, DCW, SFC and RPL respectively between December, 1991 and May, 1992.

Surplus Disposal Capacity

(29) On the basis of best available information, it has been noticed that there was surplus capacity in Brazil, Republic of Korea, Mexico and USA as compared to domestic demand.

Conclusion on the question of Material Inquiry

(30) In the final findings, the paragraph 33 of Notification dated 18th January, 1993 notifying the preliminary findings is modified to the extent as under :—

1. The market share of imports from Argentina, Brazil, Mexico, Republic of Korea and U.S.A. has increased from 25 per cent in 1988-89 to 42 per cent during investigation period.
2. There was significant increase in imports from these sources during last quarter of 1991-92, as the import compression measures were phased out in the country.
3. There was substantial price undercutting.
4. Capacity utilisation in the country which was showing rising trend steadily, showed declining trend towards the end of investigation period.
5. During the investigation period, inventory increased upto 18,696 M.T. as on 31-3-92 compared to 2,967 M.T. on 31-3-91, one of the contributory factor being additional domestic capacity. The inventory as on 31-5-92 was 11,852 M.T.
6. There was significant depression/suppression of domestic prices, particularly from December 1991 as brought out in paragraph 28 above.
7. Sufficient freely disposable capacity over domestic demand of the product exists in the exporting countries.

(31) The authority feels that the overall surplus in the capacity as indicated above coupled with recessionary prevailing conditions in the world market will continue to induce the exporting countries to sell PVC at dumped prices. Unless anti-dumping measures are taken, there is threat to the existence of domestic industry resulting in loss of capital, employment and fair competition.

(32) Imports of PVC Resin at dumped prices from Brazil, Republic of Korea, Mexico and U.S.A. increased during the period of investigation particularly during January-March, 1992. The existing capacity in Brazil, Republic of Korea, Mexico and U.S.A. is far in excess of domestic demand. There is no indication available in the global PVC consumption pattern to believe that the excess capacity available in these countries will be absorbed in newer markets. There is very likelihood of substantial increased dumped exports to India in the absence of anti-dumping measure. The authority is, therefore, satisfied that there is a threat of material injury from dumped imports of PVC Resin from Brazil, Republic of Korea, Mexico

and USA particularly when it is leading to price depression in the Indian market and preventing the increase in the same to cover the cost of sales and reasonable profit

INDIAN INDUSTRY INTEREST

General Consideration

(33) The authority confirms the general consideration to be viewed for taking anti-dumping measures as indicated in paragraphs 36, 37 and 38 of Notification dated 18-1-93.

Interest of the Indian Industry

(34) The authority confirms the findings brought in paragraph 39 of the preliminary report. In so far as the domestic industry's contention to consider developments of post investigation period, it may be stated that the authority has to investigate the facts during investigation period as the post investigation period developments can be influenced, in some cases, by the initiation of proceeding and/or taking the provisional anti-dumping measures.

Interest of other Parties

(35) A number of PVC product producers in India including the All India Federation of Plastics Industries, All India Plastics Manufacturers' Association, Association of Plastics Processors of India and Gujarat State Plastics Manufacturers' Association have made the following submissions :—

- (a) after the imposition of anti-dumping duty, there has been an increase in the international prices of PVC resin. The current import prices are costlier than the indigenous prices due to import duty;
- (b) the domestic producers have increased their sale prices of PVC resin detrimental to the interest of PVC product producers and consumers;
- (c) the domestic capacity is inadequate to meet the domestic demand.

(36) The authority has considered the submissions of the PVC product producers. During the anti-dumping proceedings, the margin of dumping is determined by comparing the export prices and the domestic prices of the exporters during the period of investigation. The price pattern during the period the proceedings are underway cannot be taken as an indication of normal price pattern as the same could have been influenced as a result of investigation initiated. However, the authority is ready to initiate a review proceeding, without delay, whenever satisfactory evidence is produced regarding the change in prices and circumstances leading to elimination of dumping causing injury.

(37) The authority is of the view that price advantages based on dumped imports are unjustifiable and are not in the long term interest of product producers in India and consumers in India. The protective measure is not intended to do away with the competition but is aimed at restoring healthy competition in the long term interest of PVC producers, and PVC product producers. The price rise as a result of anti-dumping duty shall be limited since PVC resin is only a raw material which has to be processed before reaching the consumers.

Conclusion

(38) The Authority confirms the findings of paragraph 43 of Notification dated 18 January 1993. Para 44 of the said Notification relating to anti-dumping duty is also confirmed. The considerations enumerated in paragraphs 45 and 46 are also confirmed for the purpose of final findings. The Authority, however, noted that no comments have been received from the interested parties on paragraphs 45 and 46 of Notification dated 18th January 1993 and to the authority's letter date 27th May, 1993.

Findings

(39) The Authority confirms its findings in paragraphs 47 of the said Notification. However, it was noted that as far as Argentina is concerned, imports by Argentina are insignificant so as to warrant anti-dumping duty. The Authority has come to the conclusion that but for provisional measures the dumped imports would have caused injury to the domestic industry.

Recommendations

(40) Under the provisions of Indian Anti-dumping Regulations, it would be permissible to levy anti-dumping duties to the margin of dumping. However, taking into account the overall Indian interest, the designated Authority recommends imposition of final anti-dumping duty from the date of imposition of provisional anti-dumping duty viz. 2-2-1993 at the rates mentioned below against each country :

	Rs./M.T.
Brazil	2,036
Republic of Korea	1,253
Mexico	1,619
U.S.A.	504

(41) The above recommended duty shall not be added for the purpose of calculation of the countervailing duty.

(42) The anti-dumping duty would also be applicable to new or any other exporters from these countries who are not parties to the present proceedings.

(43) Since the anti-dumping duty recommended after the conclusion of the investigation is lower than the provisional anti-dumping duty, the difference shall be refunded to the importer as per the provisions of Rule 22(2) of the "Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and the Determination of Injury) Rules, 1985."

(44) Under the Rule 23 of Rules, 1985, referred to above the authority shall from time to time review the need for continued imposition of Anti-dumping Duty.

Y. VENUGOPAL REDDY, Designated Authority
and Addl. Secy.